

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन



गणतान्त्री वाणी तंत्रादाता

मुगदनगर। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोटोटिक्स विभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका विषय बेसल इंस्ट्राटोलॉजी-ए सिपल सॉल्यूशन टू एकरीडे इम्लांट प्रैक्टिस था। इस कार्यशाला में दिल्ली-एनसीआर संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें बाईंडीएस एवं

एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता डॉ वीरेन्द्र कुमार थे। कार्यक्रम का शुभांगम मुद्दा अतिथि वक्ता डॉ वीरेन्द्र कुमार आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, तथा संस्थान के डायरेक्टर-पीजी कोर्सेंज, डॉ श्रीनाथ ठकुर एवं प्रधानाचार्य, डॉ देवी चरण शेट्री तथा डॉ सुर्या पोदुवाल, एचओडी



प्रोस्थोटोटिक्स विभाग के द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान डॉ वीरेन्द्र कुमार द्वारा लेक्चर प्रस्तुत किया गया। जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्लांटोलॉजी की मूल जानकारी के बारे में बताया और इसी के साथ उन्होंने बेसल इम्लांटोलॉजी के बारे में भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके साथ डॉ

वीरेन्द्र द्वारा सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्लांटोलॉजी और बेसल इम्लांटोलॉजी विषय पर पहली बार क्लीनिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने वक्ता डॉ वीरेन्द्र को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। अंत में डॉ गौरव इस्सर, एचओडी ओरल इम्लांटोलॉजी विभाग द्वारा सभी को धन्यवाद देकर कार्यशाला का समाप्त किया गया तथा इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

8

दैनिक आप
अभीतक

समाचार

आई.टी.एस. डेटल कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संचाददाता(आप अभी तक)

गाजियाबाद। आई.टी.एस. डेटल कॉलेज, मुरादनगर के प्रौद्योगिकीविभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसका विषय बेसल इम्प्लाईटोलॉजी-ए सिंपल सॉल्यूशन टू एप्लीकेशन्स था। इस कार्यशाला में डिल्ली-पन. सी. आर. संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें डॉ. ही.एस. एच.एम.ओ.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दृष्टि विभागों के एच.ओ.डी. तथा दृष्टि चिकित्सक शामिल थे।

कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ. योरन्द्र कुमार थे, डॉ. कुमार इंटरनेशनल इम्प्लाईफॉटोलॉजी, म्यूनिख, जर्मनी से बेसल और कॉर्टिकल बोन कॉन्सेट का उपयोग करते हुये इम्प्लाईट लोड इम्प्लाईटोलॉजी के लेवर से एक प्रभागित चिकित्सक है। दृष्टि चिकित्सा के लेवर में ही.ओरन्द्र का मुख्य ध्यान कॉर्टिकल आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के कार्डियोग्राफी के लिए एच.ओ.डी.-



सी.ए.एम. और स्टेंटोरिय डेनिटस्ट्री की ओर है। डॉ. योरन्द्र ने कॉर्टिकल इम्प्लाईफॉटोलॉजी इन्डस्ट्री में दृष्टि चिकित्सा परिषद के कार्यकारी सदृश्य के रूप में भी कार्य किया है।

इस कार्यक्रम का गुणात्मक मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. योरन्द्र कुमार, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के कार्डियोग्राफी के लिए एच.ओ.डी.-

के डायरेक्टर-पी.जी. कोर्सेज, डॉ. योरन्द्र योरन्द्र एवं प्रधानाचार्य, डॉ. देवी इम्प्लाईटोलॉजी की मूल जानकारी के बारे में बताया और इसके साथ उन्होंने एच.ओ.डी. प्रौद्योगिकीविभाग के

द्वारा मौज सरस्वती के सामने दीप प्रज्ञानित करके किया गया।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान डॉ. योरन्द्र कुमार द्वारा लोकर प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सभी

प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लाईटोलॉजी और बेसल इम्प्लाईटोलॉजी विषय पर पहली बार कलानिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ। आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, डॉ. अर्पित चड्हा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दृष्टि चिकित्सा के लेवर में बहुत एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही डॉ. अर्पित चड्हा ने बताया हुआ योरन्द्र को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। अंत में डॉ. योरन्द्र इम्प्लाईटोलॉजी विभाग द्वारा सभी को धन्यवाद देकर कार्यशाला का समाप्ति किया गया तथा इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्हा तथा योरन्द्र चेयरमैन डॉ. अर्पित चड्हा को धन्यवाद दिया।

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

वर्तमान सत्ता

मुरादनगर। आईटीएस डैंटल कॉलेज, मुरादनगर के प्रोस्थोडोटिक्स विभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका विषय बेसल इम्प्लांटोलॉजी-ए सिपल सॉल्यूशन टू एवरीडे इम्प्लांट प्रैक्टिस था। इस कार्यशाला में दिल्ली-एन०सी०आर० संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बी०डी०एस० एवं एम०डी०एस० के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।

कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ० वीरेन्द्र कुमार थे, डॉ० कुमार इंटरनेशल इम्प्लांट फाउंडेशन, म्यूनिख, जर्मनी से बेसल और कॉर्टिकल बोन कॉन्सेप्ट का उपयोग करते हुये इमीडिएट लोड इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र से एक प्रमाणित चिकित्सक है। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ० वीरेन्द्र का मुख्य ध्यान कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी, लेजर, सी०ए०डी०-सी०ए०ए०म० और



रिस्टोरेटिव डेन्टिस्ट्री की ओर विभाग के हांसा माँ सरस्वती के है। डॉ० वीरेन्द्र ने कर्नाटक सामने दीप प्रज्वलित करके राज्य में दंत चिकित्सा परिषद किया गया।

के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम में भी कार्य किया है।

के दौरान डॉ० वीरेन्द्र कुमार

इस कार्यक्रम का शुभारम्भ हांसा लेक्चर प्रस्तुत किया गया मुख्य अतिथि वक्ता डॉ० वीरेन्द्र जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों कुमार, आई०टी०एस०-द को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी की एजुकेशन ग्रुप के वाईस मूल जानकारी के बारे में बताया चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा, तथा और इसी के साथ उन्होंने संस्थान के डायरेक्टर-पी०जी० बेसल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में कोर्सेज, डॉ० श्रीनाथ ठाकुर एवं भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक प्रधानाचार्य, डॉ० देवी चरण शेटी जानकारी से सभी प्रतिभागियों तथा डॉ० सूर्या पोदुवाल, को अवगत कराया। इसके साथ एच०ओ०डी० प्रोस्थोडोन्टिक्स डॉ० वीरेन्द्र हांसा सभी

प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रथिक्षण भी दिया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी और बेसल इम्प्लांटोलॉजी विषय पर पहली बार क्लीनिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने वक्ता डॉ० वीरेन्द्र को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया।

अंत में डॉ० गौरव इस्सर, एच०ओ०डी० और इम्प्लांटोलॉजी विभाग हांसा सभी को धन्यवाद देकर कार्यशाला का समापन किया गया तथा इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आई०टी०एस०-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ० आर०पी० चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

युग करवट संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रोस्थोडोन्टिक्स विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का विषय ‘बेसल इंप्लांटोलॉजी-ए सिंपल सॉल्यूशन टू एवरीडे इम्प्लांट प्रैक्टिस’ था। मुख्य अतिथि वक्ता के तौर पर शामिल हुए डॉ. वीरेन्द्र कुमार, आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्हा और संस्थान के डायरेक्टर पीजी कोर्सेज, डॉ. श्रीनाथ ठाकुर एवं प्रधानाचार्य, डॉ. देवी चरण शेट्टी और डॉ. सूर्या पोडुवाल एचओडी प्रोस्थोडोन्टिक्स विभाग ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला में दिल्ली-एनसीआर संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। गया। डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने अपने लेक्चर में सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी की मूल जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बेसल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी और बेसल इम्प्लांटोलॉजी विषय पर पहली बार क्लीनिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान अर्पित चड्हा ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया।



आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुरादनगर के प्रोस्थोडोटिक्स विभाग ने किया

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

इस कार्यशाला में
दिल्ली-एनसीआर
संस्थान के 100 से
अधिक प्रतिभागियों
ने भाग लिया

■ दृष्टि सागर संवाददाता

गणिताचार। आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुरादनगर के प्रोस्थोडोटिक्स विभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका विषय बेसल इम्प्लांटोलॉजी-ए सिपल सॉल्यूशन टू एवरीड इम्प्लाल प्रैक्टिस था। इस कार्यशाला में दिल्ली-एनसीआर संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बीहाईएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।



डॉ वीरेन्द्र ने कर्नाटक राज्य में दंत चिकित्सा परिषद के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी कार्य किया है

कार्यशाला में डॉ वीरेन्द्र कुमार थे, डॉ कुमार इंटरनेशनल इम्प्लांट फाउंडेशन, म्यूनिख, जर्मनी से बेसल और कॉर्टिकल बोन कॉन्सेप्ट का उपयोग करते हुये इमीडिएट लोड इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र से एक प्रमाणित चिकित्सक है।

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ वीरेन्द्र का मुख्य ध्यान कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी, लोजर, सोएडो-

सोएम और रिस्टोरेटिव डेन्टिस्ट्री की ओर है। डॉ वीरेन्द्र ने कर्नाटक राज्य में दंत चिकित्सा परिषद के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वक्ता डॉ वीरेन्द्र कुमार, आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन, अपित चड्हा, तथा संस्थान के डायरेक्टर-पीजी कोर्सेज, डॉ जीनाय ठाकुर

एवं प्रधानाचार्य, डॉ देवी चरण शेट्टी तथा डॉ सुर्या पौडवाल, एचओडी प्रोस्थोडोटिक्स विभाग के द्वारा माँ सरस्वती के समान दोष प्रच्छिलत करके किया गया।

आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन, अपित चड्हा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया। इसके साथ

ही अपित चड्हा ने वक्ता डॉ वीरेन्द्र को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। अंत में डॉ गोवर इस्मर, एचओडी ओरल इम्प्लांटोलॉजी विभाग द्वारा सभी को घनवाद देकर कार्यशाला का समापन किया गया तथा इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ अपित चड्हा तथा वाइस चेयरमैन श्री अपित चड्हा को घनवाद दिया।

सभी प्रतिभागियों को दी
कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी
की जानकारी

इस एक दिवसीय कार्यक्रम के द्वारा डॉ वीरेन्द्र कुमार द्वारा लेखर प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी की मूल जानकारी के बारे में बताया और इसी के साथ उन्होंने बेसल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके साथ डॉ वीरेन्द्र द्वारा सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रैक्टिशन भी दिया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी और बेसल इम्प्लांटोलॉजी विषय पर पहली बार वर्तमानकाल एवं सापेजर का अवसर प्राप्त हुआ।